

किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने **किसानों के 'दिल्ली चलो' आंदोलन** के दौरान किसी भी कानून व्यवस्था की स्थिति से नपिटने के लिये हरियाणा में **केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कम-से-कम 50 कंपनियों** तैनात की हैं।

मुख्य बटु:

- हरियाणा पुलिस ने किसानों से राजधानी तक प्रस्तावित मार्च में बिना अनुमति के भाग नहीं लेने को कहा है।
 - आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हरियाणा सरकार ने केंद्र से **रैपडि एक्शन फोर्स (RAF)** सहित **केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कम-से-कम 64 कंपनियों** को तैनात करने का अनुरोध किया था।
- **वर्ष 2020 में, किसानों ने तीन कानूनों के खिलाफ वरिध प्रदर्शन किया**, जो **वर्ष 2021 में दिल्ली सीमाओं पर उनके वरिध प्रदर्शन के एक वर्ष के बाद नरिसूत कर दिये गए थे**।
- नमिनलखित मांगों को लेकर **दिसंबर 2023 में दिल्ली चलो की घोषणा की गई**:
 - सभी फसलों के लिये **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** की कानूनी गारंटी।
 - **स्वामीनाथन आयोग फारमूला** लागू करना।
 - किसानों की पूर्ण ऋण माफी।
 - किसानों और मजदूरों के लिये पेंशन।
 - वर्ष 2020-21 के वरिध प्रदर्शन के दौरान किसानों के खिलाफ मामलों को वापस लेना।
- **किसान वरिध 2.0 का नेतृत्व वभिन्न यूनियनों द्वारा किया जा रहा है**। वर्ष 2020 के वरिध के बाद किसान संघों में कई गुटबाजी देखी गई।
 - 'दिल्ली चलो' मार्च में देशभर से 200 से ज़्यादा किसान संगठन हिस्सा लेंगे।
- किसानों को दिल्ली में प्रवेश न करने देने के लिये उठाए गए कदम:
 - दिल्ली में **धारा 144** लागू कर दी गई है।
 - हरियाणा सरकार ने पंजाब के साथ अपनी सीमाएँ सील कर दीं।
 - कंट्रीले तार, सीमेंट के बैरकिड, सड़कों पर कीलें लगा दी गई हैं।
 - राष्ट्रीय राजधानी के सभी प्रवेश बटुओं पर व्यापक सुरक्षा।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)

- MSP वह गारंटीकृत राशा है जो किसानों को तब दी जाती है जब सरकार उनकी फसल खरीदती है।
- MSP कृषि लागत और मूल्य आयोग (Commission for Agricultural Costs and Prices- CACP) की सफारिशों पर आधारित है, जो उत्पादन लागत, मांग तथा आपूर्ति, बाज़ार मूल्य रुझान, अंतर-फसल मूल्य समानता आदि जैसे वभिन्न कारकों पर वचार करता है।

स्वामीनाथन आयोग

- स्वामीनाथन आयोग की **स्थापना वर्ष 2004 में हुई थी**।
- इसकी रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार को MSP को उत्पादन की भारति औसत लागत से कम-से-कम 50% अधिक तक बढ़ाना चाहिये। **इसे C2+ 50% फॉर्मूला के रूप में भी जाना जाता है**।
- इसमें किसानों को 50% रटिर्न देने के लिये पूंजी की अनुमानित लागत और भूमि पर करिया (जिससे 'C2' कहा जाता है) शामिल है।

रैपडि एक्शन फोर्स (RAF)

- यह दंगा और भीड नयितरण स्थतियों से नपिटने के लयि अक्टूबर 1992 में स्थापति केंद्रीय रज़िरव पुलसि बल की एक वशिष त्वरति प्रतक्रिया शाखा है ।
- यह एक शून्य-प्रतक्रिया बल है जसै कम-से-कम समय के भीतर संकट की स्थतियों में तैनात कया जा सकता है, जसिसे आम जनता में वशिवास और सुरक्षा उत्पन्न होती है

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/farmers-delhi-chalo-march>

